INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

दर्शकों ने उठाया भारतेन्दु नाटच उत्सव के दूसरे नाटक का लुत्फ

By : Editor Published On : 11 Dec, 2019 07:00 AM IST

आई एन वी सी न्यूज़

नई दिल्ली ,

भारतेन्दु नाटच उत्सव, आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक भारतेन्दु हरिशचंद्र को श्रद्धांजलि है। दिल्ली सरकार के साहित्य कला परिषद द्वारा आयोजित समारोह यह समारोह 12 दिसंबर तक कमानी ऑडिटोरियम, मंडी हाउस में आयोजित किया जाएगा और अंतिम दो दिन एलटीजी ऑडिटोरियम, कोपरनिकस मार्ग में आयोजित होगा।

पिछले 4 दशकों से आयोजित हो रहे छह दिवसीय इस महोत्सव में कुछ प्रतिष्ठित समकालीन लेखकों और निर्देशकों के साथ प्रख्यात साहित्यकारों की प्रस्तुतियों का मंच पर प्रदर्शन किया जाएगा। उत्सव के पहले दिन, दर्शकों ने दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित नाटक सीढ़ियां को देखा और इसका निर्देशन अरविंद सिंह ने किया था।

दूसरे दिन, संगीतमय नाटक 'राम की शक्ति पूजा' का मंच पर प्रदर्शन किया गया, जिसे प्रतिभा सिंह ने निर्देशित किया था। यह कविता महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा प्रसिद्ध भारतीय महाकाव्य रामायण की युद्ध पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो वर्ष 1936 में लिखी गई थी। कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एक कवि, उपन्यासकार, निबंधकार और कहानीकार थे। नाटक की शुरुआत एक युद्ध के दृश्य से होती है जहां भगवान राम निराश हो रहे हैं क्योंकि उनके सभी शक्तिशाली युद्ध के प्रयास विफल हो रहे हैं। वह देखते हैं कि देवी शक्ति रावण की रक्षा कर रही है, जो उसकी पूजा कर रहा है। किसी के सुझाव पर, वह देवी शक्ति की पूजा के लिए खुद को तैयार करते हैं और हनुमान देवी को प्रसाद के रूप में 108 नीले कमल (नील कमल) लाते हैं। भगवान राम अपनी प्रार्थना शुरू करते हैं और जब वह अपनी पूजा समाप्त करने वाले होते हैं, देवी शक्ति प्रकट होती हैं और नीले कमल में से एक को छिपा देती हैं। जब राम को पता चलता है कि अंतिम 108 नीला कमल गायब है तो वह परेशान हो जाते हैं। निराशा की स्थिति में, वह याद करते हैं कि उनकी मां उन्हें राजीवनारायण कहती थी और कहती है कि तुम्हारी आंखें नीले कमल के समान हैं। इसके बाद राम ने एक तीर चलाया और 108 वें नीले कमल को अर्पित करने के लिए अपनी एक आंख निकालने का फैसला किया। उस समय देवी शक्ति प्रकट होती हैं और उनका हाथ पकड़कर उनकी पूजा को सफल घोषित करती हैं। वह भगवान राम से प्रसन्न हो जाती है और रावण हार जाता है।

इस नाटक की निर्देशक प्रतिभा सिंह, लखनऊ कथक घराने की प्रतिपादक हैं और कला मंडली की क्रिएटिव डायरेक्टर-सेक्रेटरी हैं। उन्हें साहित्य कला परिषद, कथक केंद्र और संस्कृति मंत्रालय से छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। अंधेर नगरी, बगिया बंचाराम की, खेरू का खारा किस्सा, बनारस की सुबह से अवध की शाम तक, राम की शक्ति पूजा जैसे कई नाटकों में संगीत निर्देशन के काम से लोगों

का दिल जीत चुकी हैं।

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/दर्शकों-ने-उठाया- भारतेन्/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com